

Academic **ace**



SSC 12 Activity Sheets

With Solutions

BASED ON THE LATEST BOARD PAPER PATTERN

हिंदी लोकवाणी (संयुक्त) | संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्)

Features

- Get the real exam experience with Model Papers designed to match the official SSC exam paper
- Detailed Analysis of the Activity Sheet
- Mark Booster feature like 'ध्यान दें'
- Previous years' Board Activity Sheets with solutions via QR code

INCLUDES
MARCH 2024
BOARD ACTIVITY
SHEETS

Std. X
ENG., MAR. &
SEMI ENG. MEDIUM

Target Publications® Pvt. Ltd.

Academic **ACE**

SSC

12 Activity Sheets

With Solutions

- हिंदी लोकवाणी (संयुक्त)
- संस्कृत-आनन्द: (संयुक्तम्)

Salient Features

- Replicates the format of Board Activity Sheet
- **A compilation of 12 Model Activity Sheets with Solutions**
 - 5 Model Activity Sheets for each subject
 - March 2024 Board Activity Sheets for each subject
- Contains a Detailed Analysis of the Activity Sheet for better understanding of the evaluation format
- Question-wise break-up of marks incorporated in the Model Activity Sheet
- Includes 'ध्यान दें' at relevant touch points to frame answers accurately

Scan the adjacent QR code to watch the video of Moderators' Tips for Board Examination



Scan the adjacent QR Code to access previous years' Board Activity Sheets with solutions.



Scan the adjacent QR code to explore our 'SSC Board Solved Papers' book for Std. X. Students get all the past years' papers handy in the book.



Printed at: **Print to Print**, Mumbai

© Target Publications Pvt. Ltd.

No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

PREFACE

Target's SSC 12 Activity Sheets with Solutions is a well-designed compendium, compiled to facilitate systematic preparation for the students appearing for the S.S.C. Board Examination.

The book includes 10 Model Activity Sheets, 5 each of हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त) and संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्), along with their solutions. These Activity Sheets has been prepared as per the Latest Board Paper Pattern. It also includes March 2024 Board Activity Sheets (Solution through QR Code). The Model Answer Papers offer a comprehensive solution for every question and ensure that the students don't encounter any problem while solving the paper. Previous years' Board Activity Sheets with solutions are provided through QR Code to offer students a glimpse of the types of questions asked in Board examination.

The book also contains a Detailed Analysis of the Activity Sheet, so as to make it easy for the students to understand the latest evaluation format. 'ध्यान दें' are provided at relevant touchpoints in the Model Answer Papers of हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त) to aid students in recognising and understanding the nature of this Examination.

As the old adage goes, 'Practice makes a man Perfect', students will find here, a goldmine of Activity Sheets to practise, before they are up for their final battle. We are sure these Activity Sheets will prove to be extremely instrumental in achieving exemplary scores in the Board Examination. The journey to create a complete book is strewn with triumphs, failures and near misses. If you think we've nearly missed something or want to applaud us for our triumphs, we'd love to hear from you.

Publisher

Edition: Fifth

Disclaimer

This reference book is transformative work based on textual contents published by Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

INDEX

Subject		Page No.		
कृतिपत्रिका का प्रारूप		हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त)	1	
कृतिपत्रिकाया: प्रारूपम्		संस्कृत-आनन्द: (संयुक्तम्)	27	
Detailed Analysis of Activity Sheets		हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त)	3	
		संस्कृत-आनन्द: (संयुक्तम्)	29	
No.	Subject	Test	Page No.	
			आदर्श कृतिपत्रिका	आदर्श उत्तरपत्रिका
1.	हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त)	1	6	63
		2	10	70
		3	14	75
		4	18	81
		5	22	86
2.	संस्कृत-आनन्द: (संयुक्तम्)	1	37	92
		2	42	99
		3	47	104
		4	52	109
		5	57	114
•	हिंदी-लोकवाणी (संयुक्त)	बोर्ड कृतिपत्रिका : March 2024	119	Scan the adjacent QR code to view the Solutions to Activity Sheets of March 2024.
•	संस्कृत-आनन्द: (संयुक्तम्)		124	



Score Card / Performance Tracker

Dear Aspirants,

Consistent practice with Target Publications model papers will significantly boost your preparation. Track your progress with the scorecard provided below.

Wishing you all the best!

हिंदी लोकवाणी			
	Start Time	End Time	Marks obtained out of 40
Model Activity Sheet 1			
Model Activity Sheet 2			
Model Activity Sheet 3			
Model Activity Sheet 4			
Model Activity Sheet 5			

संस्कृत-आनन्दः			
	Start Time	End Time	Marks obtained out of 40
Model Activity Sheet 1			
Model Activity Sheet 2			
Model Activity Sheet 3			
Model Activity Sheet 4			
Model Activity Sheet 5			

हिंदी लोकवाणी (संयुक्त)

IMPORTANT INSTRUCTIONS TO FOLLOW:

सूचना

- विद्यार्थी नए प्रश्न का उत्तर नए पृष्ठ पर ही लिखें।
- किसी भी कृति को ध्यान से पढ़कर उसका उत्तर लिखें।
- उत्तर लिखने से पहले प्रत्येक गद्यांश/पद्यांश को कम-से-कम दो बार ध्यान से पढ़ें।
- सूचना के अनुसार आकलन व व्याकरण कृतियों के उत्तर आकृतियों में ही लिखें।
- आकृतियाँ बनाने व उत्तर लिखने के लिए पेन का ही उपयोग करें।
- वाक्यों को पूर्ण करना, पंक्तियाँ पूर्ण करना, मुहावरों का उपयोग करना जैसी कृतियों में पूरा वाक्य लिखकर आवश्यकतानुसार उत्तर को अधोरेखांकित करें।
- शुद्ध व स्पष्ट लेखन अपेक्षित है।
- जितना संभव हो गलतियाँ करने से बचें।



कृतिपत्रिका का प्रारूप (आराखड़ा)

Time: 2 Hours

हिंदी लोकवाणी

Total Marks: 40

विभाग 1 – गद्य

12 अंक

- प्र.1 (अ) पठित गद्यांश (100 से 120 शब्द) 6 अंक
- प्र.1 (आ) पठित गद्यांश (100 से 120 शब्द) 6 अंक
1. आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक अथवा 4 घटक, प्रत्येक के लिए 1/2 अंक) 2 अंक
 2. शब्दसंपदा (4 घटक, प्रत्येक के लिए 1/2 अंक) 2 अंक
(शब्दसंपदा कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म, समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, वचन, कृदंत, तद्धित, तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पूछे जा सकते हैं।)
 3. अभिव्यक्ति (25 से 30 शब्दों में) 2 अंक

विभाग 2 – पद्य

8 अंक

सूचना – एक मध्ययुगीन और एक आधुनिक रचना का चयन आवश्यक है।

- प्र.2 (अ) पठित पद्यांश (6 से 8 पंक्तियाँ) 4 अंक
- प्र.2 (आ) पठित पद्यांश (6 से 8 पंक्तियाँ) 4 अंक
1. आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक अथवा 4 घटक, प्रत्येक के लिए 1/2 अंक) 2 अंक
 2. सरल अर्थ (25 से 30 शब्दों में) 2 अंक

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

8 अंक

- प्र.3 सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:
1. मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लेखन (2 घटक, 1/2 अंक) 1 अंक
 2. दो अव्यय शब्दों में से किसी एक का वाक्य में प्रयोग करना (1 घटक के लिए 1 अंक) 1 अंक
 3. संधि (पहचानना, संधि विच्छेद करना, संधि शब्द बनाना) (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1/2 अंक) 1 अंक
 4. मुहावरे का चयन अथवा मुहावरे का अर्थ और वाक्य में प्रयोग करना (1 घटक के लिए 1 अंक) 1 अंक
 5. काल के भेद 2 अंक
 - i. काल पहचानना (1 घटक के लिए 1 अंक)
 - ii. काल परिवर्तन दो में से एक वाक्य का (1 घटक के लिए 1 अंक)
 6. वाक्य के भेद 2 अंक
 - i. रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानना (1 घटक के लिए 1 अंक)
 - ii. अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करना (1 घटक के लिए 1 अंक)

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन)

12 अंक

- प्र.4 सूचना के अनुसार लिखिए :
- (अ) 1. पत्र-लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक) (दो में से एक) (विकल्प अंक: 4) 4 अंक
2. कहानी-लेखन (मुद्दों के आधार पर) (60 से 70 शब्दों में) (विकल्प अंक: 8) 4 अंक

अथवा

गद्य-आकलन (अपठित गद्यांश पर आधारित 4 प्रश्न तैयार करना) (गद्यांश 60 से 80 शब्दों का)



अथवा

विज्ञापन-लेखन (50 से 60 शब्दों में)

प्र.4 (आ) निबंध-लेखन (दो में से किसी एक विषय पर 60 से 70 शब्दों में) (विकल्प अंक: 4)

4 अंक

लोकवाणी अंक विभाजन			विकल्प अंक
विभाग	घटक	अंक	
1	गद्य	12	
2	पद्य	8	
3	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	8	04
4	रचना विभाग (उपयोजित लेखन)	12	12
	कुल अंक	40	16

[महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४]



कृतिपत्रिका प्रारूप का विस्तारित विवेचन

Time: 2 Hours

हिंदी लोकवाणी

Total Marks: 40

विभाग 1 – गद्य

12 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[6]

बोर्ड की कृतिपत्रिका में प्र.1. (अ) में एक पठित गद्यांश 6 अंकों के लिए पूछा जाएगा।

- पाठ्यपुस्तक से लगभग 100 से 120 शब्दों का गद्यांश दिया जाएगा।
- गद्यांश पर आधारित कुल तीन कृतियाँ पूछी जाएँगी।

1- आकलन कृति

2 अंक

इसमें संजाल पूर्ण कीजिए, आकृति पूर्ण कीजिए, कृति कीजिए, प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए, जोड़ियाँ मिलाइए, रिश्ते पहचानकर लिखिए, एक शब्द में उत्तर लिखिए, परिणाम लिखिए, कारण लिखिए, गलत वाक्यों को सही करके लिखिए, घटनाओं को उनके उचित क्रम में लिखिए जैसी कृतियाँ पूछी जा सकती हैं।

2- शब्द संपदा

2 अंक

इसमें अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म, समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, वचन, विरामचिह्न, कृदंत, तद्धित, तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पर आधारित कृतियाँ पूछी जा सकती हैं। ये कृतियाँ परिच्छेद अथवा पिछली कक्षाओं में प्राप्त ज्ञान के आधार पर भी हो सकती हैं।

3- अभिव्यक्ति

2 अंक

इसमें विद्यार्थी के आकलन व वैचारिक क्षमता पर आधारित एक कृति होगी। विद्यार्थी अपने व्यावहारिक जीवन अर्थात् परिवेश, परिवार, समाज, विद्यालय, मित्र आदि के संपर्क में आकर जो ज्ञान प्राप्त करते हैं, उसी के आधार पर उन्हें इस कृति का उत्तर लिखना होगा। इसके अतिरिक्त दिए गए परिच्छेद का आशय, उसके संदर्भ में अपने विचार, उससे मिलने वाली सीख व वर्तमान में उसकी उपयोगिता इत्यादि के संदर्भ में भी कृति पूछी जा सकती है, जिसका उत्तर विद्यार्थी को अपनी बौद्धिक क्षमता के आधार पर लिखना होगा।

प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[6]

ऊपर दिए गए मुद्दे इस गद्यांश के लिए भी लागू होते हैं।

विभाग 2 – पद्य

8 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[4]

बोर्ड की कृतिपत्रिका में प्र.2.(अ) में एक पठित पद्यांश 4 अंकों के लिए पूछा जाएगा।

- पाठ्यपुस्तक से लगभग 6 से 8 पंक्तियों का एक पद्यांश दिया जाएगा।
- पद्यांश पर आधारित कुल दो कृतियाँ पूछी जाएँगी।

1- आकलन कृति

2 अंक

इसमें संजाल पूर्ण कीजिए, आकृति पूर्ण कीजिए, कृति कीजिए, प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए, जोड़ियाँ मिलाइए, पंक्तियों का तात्पर्य लिखिए, एक शब्द में उत्तर लिखिए, परिणाम लिखिए, कारण लिखिए, गलत वाक्यों को सही करके लिखिए जैसी कृतियाँ पूछी जा सकती हैं।

2- सरल अर्थ

2 अंक

पूछी गई पंक्तियों को पढ़कर उनका सरल अर्थ अपने शब्दों में लिखना होगा।



प्र.2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[4]

ऊपर दिए गए मुद्दे इस पद्यांश के लिए भी लागू होते हैं।

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

8 अंक

प्र.3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

बोर्ड की कृतिपत्रिका में प्र.3. व्याकरण की कृतियों पर आधारित होगा, जो कुल 8 अंकों के लिए पूछा जाएगा। यहाँ पाँचवीं कक्षा से नौवीं कक्षा तक के व्याकरण का भी समावेश किया जाएगा।

- व्याकरण पर आधारित यहाँ कुल 6 कृतियाँ पूछी जाएँगी, जिनके विवरण निम्नलिखित हैं:
- 1 - शब्द-शुद्धीकरण:- यहाँ मानक वर्तनी के नियमों के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखने होंगे। 1 अंक
- 2 - अव्यय:- यहाँ अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग करना होगा। (एक विकल्प होगा।) 1 अंक
- 3 - संधि:- यहाँ संधि शब्द बनाना, संधि विच्छेद करना और उसका भेद लिखना होगा।
(एक विकल्प होगा) 1 अंक
- 4 - मुहावरे:- यहाँ मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग अथवा वाक्यांश में उचित मुहावरे का प्रयोग करना होगा। (एक विकल्प होगा) 1 अंक
- 5 - काल:- यहाँ काल पहचानना तथा निर्देश के अनुसार काल परिवर्तन करना होगा। (काल परिवर्तन में एक विकल्प होगा।) 2 अंक
- 6 - वाक्य-भेद:- यहाँ रचना के अनुसार वाक्य का भेद लिखना होगा तथा अर्थ के अनुसार वाक्य का परिवर्तन करना होगा। 2 अंक

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन)

12 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार लिखिए:

(अ) 1. पत्र-लेखन:

(4)

निम्नलिखित जानकारी का उपयोग कर पत्र लिखिए:

बोर्ड की कृतिपत्रिका में प्र.4. (अ) 1. के अंतर्गत एक कृति कुल 4 अंकों के लिए पूछी जाएगी।

पत्र-लेखन:- यहाँ औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र दिए जाएँगे। यहाँ दो में से एक पत्र विकल्प के रूप में होगा। पत्र नए नियमानुसार ई-मेल के प्रारूप में लिखना होगा। 4 अंक

2. कहानी-लेखन:

(4)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उससे प्राप्त सीख लिखिए और उसे उचित शीर्षक भी दीजिए:

बोर्ड की कृतिपत्रिका में प्र.4. (आ) 2. के अंतर्गत कुल 4 अंकों के लिए दो कृतियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से केवल एक कृति का उत्तर लिखना होगा और एक कृति विकल्प होगी।

कहानी-लेखन:- यहाँ दिए गए मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में एक रोचक कहानी लिखकर उससे प्राप्त सीख लिखनी होगी और उसे उचित शीर्षक भी देना होगा। 4 अंक

अथवा

Page no. **5** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes**



N 000

Seat No.

2025 III 00 1100 – N 000 – HINDI (COMPOSITE) (B) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H)

नमूना कृतिपत्रिका - 1

Time: 2 Hours

(Pages 5)

Max. Marks: 40

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[6]

आज शाम, वह बचपन के अपने कमरे में घुसा। लाइट ऑन की और कोने में रखे बक्से की ओर बढ़ गया। उसके बचपन का साथी-उसका प्यार, लकड़ी का बड़ा-सा बक्सा। वह जब भी यहाँ आता है, एक बार इस बक्से को जरूर खोलकर देखता है। सहज उत्सुकतावश उसने उसे खोला। छठी-सातवीं-आठवीं कक्षा के कोर्स की कुछ पुरानी किताबें, ज्योमेट्री बॉक्स, कीलवाले तलवों के फुटबॉल शूज, एन.सी.सी. की एक्स्ट्रा ड्रेस, पुराना फोटो एलबम... और भी जाने क्या-क्या। बार-बार देखने पर भी इन चीजों को देखने आने की इच्छा मरती नहीं है। तभी उसकी नजर एकाएक पॉलीथिन की एक थैली पर पड़ी। अरे, इसमें क्या है, अब से पहले तो इसपर नजर कभी पड़ी नहीं थी। उसने उसे उठाकर खोला। अंदर पीली पड़ चुकी कागज की छोटी-छोटी-सी पर्चियाँ मिलीं। वह एक-एक की इबारत को पढ़ने लगा— “बाबू जी, आज मेरे लिए जलेबी लेते आना...। बाबू जी, आज शाम को कंपास बॉक्स चाहिए...। बाबू जी, शाम को दो पेंसिल खरीद लाना...। बाबू जी... बाबू जी... बाबू जी...।” बचपन में बाबू जी से की गई फरमाइशों का पुलिंदा था वह।

1. संजाल पूर्ण कीजिए:

(2)



2. i. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

(1)

1. कमरे 2. पर्चियाँ

ii. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए:

(1)

1. संध्या 2. प्रेम

3. 'संयुक्त परिवार, सुखी परिवार', इस विषय पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

(2)

प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[6]

सेठानी रोज आने लगी। संयोग की बात, धीरे-धीरे उसकी तबियत भी सुधरने लगी। सात-आठ दिनों में उसकी बीमारी समाप्त होने लगी। सेठ को साधु पर घनघोर विश्वास हो गया और वह रोज उसके पास आने लगा। सेठानी ठीक हो गई, लेकिन सेठ रोज आता रहा।

साधु उसे रोज उपदेश दिया करता, “यह संसार माया है। धन का लोभ आदमी को आदमी नहीं रहने देता। जितना धन बढ़ता जाता है, लोभ भी उतना ही बढ़ता जाता है। सच्चा सुख धन का त्याग करने में है, इस माया-मोह से उठकर भगवान के चरणों में ध्यान लगाने में ही सच्चासुख है। सोना मिट्टी है और मिट्टी का मोह पालकर आज तक किसी ने शांति नहीं पाई।” धीरे-धीरे साधु के उपदेशों का प्रभाव सेठ पर पड़ने लगा।



1. घटनानुसार उचित क्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए: (2)
 - i. धन का लोभ आदमी को आदमी नहीं रहने देता।
 - ii. सेठानी रोज आने लगी।
 - iii. धीरे-धीरे साधु के उपदेशों का प्रभाव सेठ पर पड़ने लगा।
 - iv. सात-आठ दिनों में उसकी बीमारी समाप्त होने लगी।
2. i. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए: (1)
 1. विश्वास
 2. दिन
- ii. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए: (1)
 1. सेठानी
 2. साध्वी
3. 'लालच बुरी बला है', इस विषय पर अपने विचार लिखिए। (2)

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

- प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

जाको राखै साइयाँ, मारि न सककै कोय।
बाल न बाँका करि सकै, जो जग बैरी होय ॥
नैनों अंतर आव तूँ, नैन झाँपि तोहिं लेवँ।
ना मैं देखौँ और को, ना तोहि देखन देवँ ॥
लाली मेरे लाल की, जित देखों तित लाल।
लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल ॥
कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढ़ै बन माहिं।
ऐसे घट में पीव है, दुनिया जानै नाहिं ॥
जिन ढूँढ़ा तिन पाइयाँ, गहिरे पानी पैठ।
जो बौरा डूबन डरा, रहा किनारे बैठ ॥

1. i. एक शब्द में उत्तर लिखिए: (1)
 1. कस्तूरी की खोज करने वाला –
 2. किनारे पर बैठा रहने वाला –
- ii. सही/गलत पहचानकर गलत वाक्यों को सही करके पुनः लिखिए: (1)
 1. कबीरदास जी अपने ईश्वर को अपने हृदय में बंद करना चाहते हैं।
 2. ईश्वर का वास घट-घट में है।
2. पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों के सरल अर्थ लिखिए। (2)

- प्र.2. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

ऐसा वसंत कब आएगा ?
जब मानवता के वन-उपवन का
हर प्रसून खिल पाएगा ?
ऐसा वसंत कब आएगा ?
लड़कर अभाव के पतझड़ से,
नव सर्जन रण में विजयी बन,
सुख-सुविधा रस के सम वितरण का
पा नवयौवनमय जीवन,
हर मनुज-कुसुम संतोषमयी
मुस्कान मधुर बरसाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा ?

Page no. **8** to **25** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes**



संस्कृत - आनन्दः ।

सूचनाः

- सूचनानुसारम् आकृतयः आरेखितव्याः ।
- आकृतीनाम् आरेखनं मसीलेखन्या कर्तव्यम् ।
- सर्वासु कृतिषु वाक्यानां पुनर्लेखनम् आवश्यकम् ।
- लेखनं सुवाच्यं, स्पष्टं लेखननियमानुसारं च भवेत् ।

Sample Content



कृतिपत्रिकायाः प्रारूपम्

समयः होराद्वयम्

संस्कृत - आनन्दः ।

गुणाङ्काः- 40

प्रथमः विभागः- सुगमसंस्कृतम्। (6)

1. अ. चित्रं दृष्ट्वा नामानि लिखत। (4 तः 3) 1 × 3 = 3
- 1) 2) 3) 4)
- आ. सङ्ख्याः अक्षरैः / अङ्कैः लिखत। (3 तः 2) (पृ. क्र. 4) 1 × 2 = 2
- इ. समय-स्तम्भमेलनं कुरुत। (पृ. क्र. 4) $\frac{1}{2} \times 2 = 1$

द्वितीयः विभागः- गद्यम्। (14)

2. अ. गद्यांशं पठित्वा निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत। (80-100 शब्दयुक्तः गद्यांशः दातव्यः) 4
- कृतयः -
1. अबोधनम्। (3 तः 2) (1 × 2 = 2)
- क) उचितं कारणं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत।/
उचितं पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। (रिक्तस्थानद्वयं प्रष्टव्यम्) $\frac{1}{2} \times 2$
- ख) कः कं वदति? 1
- ग) पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत। 1
- घ) वाक्यं पुनर्लिखित्वा सत्यम्/असत्यम् इति लिखत। 1
- च) एषः गद्यांशः कस्मात् पाठात् उद्धृतः? (पाठस्य नाम) 1
- छ) अमरकोषात् शब्दं योजयित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। 1
2. शब्दज्ञानम्। (3 तः 2) (1 × 2 = 2)
- क) 2 धातुसाधित-अव्यये/विभक्त्यन्तपदे चित्वा लिखत। $\frac{1}{2} \times 2 = 1$
- ख) विशेषण-विशेष्य-मेलनं कुरुत। $\frac{1}{2} \times 2 = 1$
- ग) सन्धिः। (पूर्वपदं लिखत $\frac{1}{2} \times 2$, उत्तरपदं लिखत $\frac{1}{2} \times 2$) $\frac{1}{2} \times 2 = 1$
- अथवा
लकारं लिखत। (अधोरेखनम् आवश्यकम्) 1 × 1 = 1
- आ. गद्यांशं पठित्वा निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत। 4
- कृतयः -
1. अबोधनम्। (3 तः 2) (1 × 2 = 2)
- क) उचितं कारणं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत।/
उचितं पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। (रिक्तस्थानद्वयं प्रष्टव्यम्) $\frac{1}{2} \times 2 = 1$
- ख) कः कं वदति? 1
- ग) पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत। 1



- घ) वाक्यं पुनर्लिखित्वा सत्यम्/असत्यम् इति लिखत। 1
च) एषः गद्यांशः कस्मात् पाठात् उद्धृतः? (पाठस्य नाम) 1
छ) अमरकोषात् शब्दं योजयित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। 1
2. रेखाचित्रं पूरयत। (जालरेखा / वृक्षरेखा / प्रवाहिजालम् / स्तम्भपूरणम् / शब्दपेटिका) $(\frac{1}{2} \times 4=2)$
इ. गद्यांशं पठित्वा सरलार्थं लिखत। (2 तः 1) 4
(नाट्ययुग्मम्, नदीसूक्तम्।)
ई. माध्यमभाषया उत्तरं लिखत। (2 तः 1) (स्वाध्यायाधारितम्) 2

तृतीयः विभागः- पद्यम्। (10)

3. अ. पद्यांशं पठित्वा निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत। (5 तः 4) (8-12 पङ्क्तयः प्रष्टव्याः।) $1 \times 4 = 4$
कृतयः -
क) पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत। $1 \times 1 = 1$
ख) विशेषण-विशेष्य-मेलनं कुरुत। $\frac{1}{2} \times 2 = 1$
ग) जालरेखाचित्रं पूरयत। (2 शब्दौ प्रष्टव्यौ) $\frac{1}{2} \times 2 = 1$
(जालरेखा / वृक्षरेखा / प्रवाहिजालम् / स्तम्भपूरणम् / शब्दपेटिका)
घ) 2 धातुसाधित - अव्यये / विभक्त्यन्तपदे चिनुत। $\frac{1}{2} \times 2 = 1$
च) सन्धिः। (पूर्वपदं लिखत $\frac{1}{2} \times 2$, उत्तरपदं लिखत $\frac{1}{2} \times 2$) $\frac{1}{2} \times 2 = 1$
- आ. पद्ये शुद्धे पूर्णे च लिखत। (3 तः 2) (केवलं पङ्क्तद्वयात्मके) $2 \times 2 = 4$
इ. माध्यमभाषया सरलार्थं लिखत। (2 तः 1) (वाचनप्रशंसा / मानवताधर्मः) 2

चतुर्थः विभागः- भाषाभ्यासः। (10)

4. अ. पृथक्करणम्। 4
1. नामानि सर्वनामानि च पृथक्कुरुत। (5 तः 4) $\frac{1}{2} \times 4 = 2$
2. क्रियापदानि धातुसाधित-विशेषणानि च पृथक्कुरुत। (5 तः 4) $\frac{1}{2} \times 4 = 2$
- आ. निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत। (4 तः 2) $2 \times 2 = 4$
1. सङ्ख्या / क्रम / आवृत्तिवाचकस्य योग्यं पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत। (3 तः 2) 2
2. समासविग्रहाणां समासनामभिः मेलनं कुरुत। (6 तः 4) 2
3. समानार्थकं-विरुद्धार्थकं शब्दं चिनुत। 2
4. योग्यं पर्यायं चिनुत। (3 तः 2) 2
क) वाच्यम् आधारीकृत्य।
ख) भवान्-त्वम् आधारीकृत्य।
ग) विशेषण-विशेष्यम्-आधारीकृत्य।
- इ. विशिष्टविभक्तेः उपयोगं कृत्वा वाक्यनिर्माणं कुरुत। (4 तः 2) (पृ. क्र. 72) 2



Detailed Analysis of Activity Sheet

अवधि: होराद्वयम्।

संस्कृत - आनन्द: ।

गुणाङ्का: - 40

प्रथम: विभाग:- सुगमसंस्कृतम्। (6)

प्रथम: विभाग: – In this section students' Sanskrit vocabulary is tested.

प्रथम विभाग – ह्या विभागात विद्यार्थ्यांची संस्कृत शब्दसंपदा तपासली जाते.

प्र.1. अ. चित्रं दृष्ट्वा नामानि लिखत। (4 त: 3)

(3)

Note:- In this question, any four pictures from page no. 1, 2, 3 of the Std. Tenth Textbook will be asked. Understand, memorise and practise these pictures along with their Sanskrit names, in order to secure these easy marks. In this question, students will be asked to solve three pictures out of four.

लक्षात ठेवा: या प्रश्नामध्ये इयत्ता दहावीच्या पाठ्यपुस्तकातील पृ.क्र. 1, 2, 3 वरील कोणतीही चार चित्रे विचारली जातील. याकरता, सर्व चित्रांचे संस्कृत नावासहित आकलन करावे व उत्तम सराव करावा म्हणजे हे हातचे गुण मिळवता येतील. या प्रश्नामध्ये 4 चित्रापैकी 3 चित्रांची अचूक उत्तरे लिहावीत.

आ. सङ्ख्या: अक्षरैः / अङ्कैः लिखत। (3 त: 2)

(2)

Note – In this question, students are expected to write any two numbers out of three correctly in Sanskrit as letters or number. Refer सङ्ख्या topic from सुगमसंस्कृतम् of Std. Ninth. Memorise it well by using Sanskrit सङ्ख्या in daily speech and have a writing practice to secure these easy marks.

लक्षात ठेवा: या प्रश्नामध्ये विद्यार्थ्यांनी तीनपैकी कोणत्याही दोन संख्या अक्षरात वा अंकात संस्कृतमध्ये अचूकपणे लिहिणे अपेक्षित आहे. यासाठी, इयत्ता 9 वी च्या सुगमसंस्कृतमच्या प्रारंभी असलेल्या 'संख्या' या घटकाचा अभ्यास करावा.

दैनंदिन बोलण्यात या संस्कृत संख्यांचा वापर केल्यास, तसेच लेखनाचाही सराव केल्यास हे गुण सहज मिळतील.

इ. समय – स्तम्भमेलनं कुरुत।

(1)

Note – Here, match the two times given in letters with the two times given in numbers correctly. Study pg. no. 4 of the Std. Tenth Textbook. Memorise and tell time in spoken Sanskrit and keep practicing writing time, so scoring marks in this question becomes easy.

लक्षात ठेवा: या प्रश्नामध्ये अक्षरात दिलेल्या कोणत्याही दोन वेळांची अंकात दिलेल्या वेळांबरोबर अचूक जोडी जुळवायची आहे. इयत्ता 10 वी च्या पाठ्यपुस्तकातील पृ. क्र. 4 वर दिलेल्या. 'समय' या घटकाची उजळणी करा. नेहमीच्या बोलण्यात संस्कृतमध्ये वेळ सांगण्याचा प्रयत्न केल्याने व लेखनाचा सराव केला असता, हे गुण मिळवणे सोपे होईल.

**द्वितीयः विभागः- गद्यम्। (14)**

प्र.2. अ./आ.गद्यांशं पठित्वा निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत।

(4/4)

द्वितीयः विभागः – The second section of prose includes two different passages. कृति's of अवबोधनम्, शब्दज्ञानम्, पृथक्करणम् will be asked based on it. This is to test the students' comprehension of the passage as well as their knowledge of grammar.

द्वितीय विभाग – द्वितीय विभागात दोन वेगळे परिच्छेद असतील. यावर आधारित अवबोधनम्, शब्दज्ञानम् व पृथक्करणम् या कृती विचारल्या जातील. याद्वारे विद्यार्थ्यांचे संबंधित गद्याचे आकलन व व्याकरणज्ञान तपासले जाते.

1. अवबोधनम्। (3 तः 2)

(2)

Any 3 कृति's from following कृति's will be asked. Solve any 2 from it.

खालीलपैकी कोणत्याही तीन कृती विचारल्या जातील. त्यातील कोणत्याही दोन सोडवाव्यात.

क. उचितं कारणं/ पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत।

Note – Here, students are expected to choose the correct reason or the correct alternative related to a sentence and write the sentence again with its answer. Understand all lessons well in advance, to solve such कृति's. Make sure of your answer again after writing it.

लक्षात ठेवा: या प्रश्नामध्ये, विद्यार्थ्यांनी विचारलेल्या वाक्यासंबंधी योग्य कारण वा पर्याय निवडणे अपेक्षित आहे. उत्तरासहित दिलेले वाक्य पुन्हा लिहावे. यासाठी सर्व पाठ अगोदरच काळजीपूर्वक समजून घ्या. उत्तर लिहिताना पुन्हा खात्री करा.

ख. कः कं वदति?

Note – Write the correct answer of who said the given sentence to whom. While answering, Use प्रथमा for the answer of who said and use द्वितीया for the answer of whom he said it to.

लक्षात ठेवा: दिलेले वाक्य कोणी कोणाला उद्देशून म्हटले आहे याचे अचूक उत्तर लिहिल्यास त्याकरता एक गुण मिळतो. उत्तर लिहिताना बोलणारा प्रथमेत व ज्याला बोलतो तो शब्द द्वितीयेत लिहावा.

ग. पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत।

Note – Students should find the correct answer from the passage. Replace the 'wh' question (Interrogative word) with the main part of the answer with the other words remaining the same.

लक्षात ठेवा: विद्यार्थ्यांनी परिच्छेदातूनच योग्य उत्तर शोधावे. उत्तर लिहिताना, प्रश्नार्थी शब्दाऐवजी मूळ उत्तर लिहावे. उत्तरामध्ये प्रश्नातील इतर शब्द तसेच ठेवावेत.

घ. वाक्यं पुनर्लिखित्वा सत्यम्/असत्यम् इति लिखत।

Note – Rewrite the sentence mentioning whether it is true or false. Be careful while answering true or false. Write half 'म्' at the end of सत्यम् and असत्यम्.

Page no. **31** to **36** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes**



N 000

Seat No.

2025 III 00 1500 – N 000 – SANSKRIT (COMPOSITE) (D) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (SK)

आदर्श कृतिपत्रिका - 1

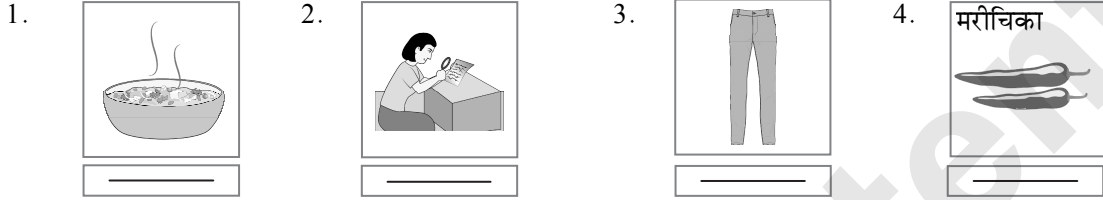
Time: 2 Hours

(Pages 5)

Max. Marks: 40

प्रथमः विभागः- सुगमसंस्कृतम्। (6)

प्र.1. अ. चित्रं दृष्ट्वा नामानि लिखत। (4 तः 3) (3)



आ. सङ्ख्याः अक्षरैः / अङ्कैः लिखत। (3 तः 2) (2)

1. ४४ 2. पञ्चाशत् 3. षण्णवतिः

इ. समय-स्तम्भमेलनं कुरुत। (1)

क्र.	अ	आ
1.	दशवादनम्	२.१०
2.	चत्वारिंशदधिक-नववादनम्	१०.००
		९.४०

द्वितीयः विभागः- गद्यम्। (14)

प्र.2. अ. गद्यांशं पठित्वा निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत। (4)

भूपालः पृथुवैन्यः नाम धरायां प्रथमः अभिषिक्तः सम्राट्। प्रयागक्षेत्रे पृथुनृपस्य राजधानी आसीत्। राज्याभिषेकसमये चारणाः पृथुनृपस्य स्तुतिं गातुमुत्सुकाः। तदा पृथुः आज्ञापयत्, “तिष्ठन्तु चारणाः! यावत् मम सदगुणाः न प्रकटीभवन्ति तावदहं न स्तोतव्यः। स्तवनं तु ईश्वरस्यैव भवेत्।” स्तुतिगायकाः पृथुनृपस्य एतादृशीं निःस्पृहतां ज्ञात्वा प्रसन्नाः अभवन्।

एकदा पृथुराजः स्वराज्ये भ्रमणम् अकरोत्। भ्रमणसमये तेन दृष्टं यत् प्रजाः अतीव कृशाः अशक्ताश्च। ताः प्रजाः पशुवज्जीवन्ति। निकृष्टान्नं खादन्ति। तद् दृष्ट्वा राजा चिन्ताकुलः जातः। तदा पुरोहितोऽवदत्, “हे राजन्, धनधान्यादि सर्वं वस्तुजातं वस्तुतः वसुन्धरायाः उदरे एव वर्तते। तत्राप्तुं यतस्व।”

1. अवबोधनम्। (3 तः 2) (2)

क. उचितं कारणं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत।

पृथुवैन्यः स्वप्रजाः दृष्ट्वा चिन्ताकुलः जातः यतः _____।

(तस्य प्रजाजनाः परस्परं वादविवादं कुर्वन्ति / तस्य प्रजाजनाः पशुवत् जीवन्ति)

ख. कः कं वदति?

“तत्राप्तुं यतस्व।”

ग. अमरकोषात् शब्दं योजयित्वा वाक्यं पुनर्लिखत।

राजा चिन्ताकुलः जातः।



2. शब्दज्ञानम्। (3 तः 2)

(2)

- क. गद्यांशतः 2 पूर्वकालवाचक-धातुसाधित-त्वान्त-अव्यये चित्वा लिखत।
ख. गद्यांशात् विशेषण-विशेष्य-मेलनं कुरुत।

'अ'	'आ'
कृशाः	राजा
चिन्ताकुलः	वस्तुजातम्
	प्रजाः

ग. उत्तरपदं लिखत।

ईश्वरस्यैव = ईश्वरस्य + _____।

अशक्ताश्च = अशक्ताः + _____।

आ. गद्यांशं पठित्वा निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत।

(4)

अर्णवः	-	द्रव्यस्य अन्तिमः घटकः मूलं तत्त्वं च परमाणुः, सत्यं खलु?
पिता	-	सत्यम्। अयं खलु कणादमहर्षेः सिद्धान्तः। अपि जानासि? परमाणुः द्रव्यस्य मूलकारणम् इति तेन महर्षिणा प्रतिपादितम्। तदपि प्रायः ख्रिस्तपूर्वं पञ्चमे षष्ठे वा शतके।
अर्णवः	-	तात, महर्षिणा कणादेन किं किम् उक्तं परमाणुविषये?
पिता	-	कणादमहर्षिणा प्रतिपादितम् - परमाणुः अतीन्द्रियः, सूक्ष्मः, निरवयवः, नित्यः, स्वयं व्यावर्तकः च। 'वैशेषिकसूत्राणि' इति स्वग्रन्थे तेन परमाणोः व्याख्या कृता।
अर्णवः	-	का सा व्याख्या?
पिता	-	जालसूर्यमरीचिस्थं यत् सूक्ष्मं दृश्यते रजः। तस्य षष्ठतमो भागः परमाणुः स उच्यते।।
अर्णवः	-	अहम् एतद्विषये विस्तरेण पठितुम् इच्छामि।
पिता	-	उत्तमम्! श्वः मम महाविद्यालयम् आगच्छ। तत्र कणादविषयकाणि नैकानि पुस्तकानि सन्ति। तव जिज्ञासा निश्चयेन शाम्येत्।

1. अवबोधनम्। (3 तः 2)

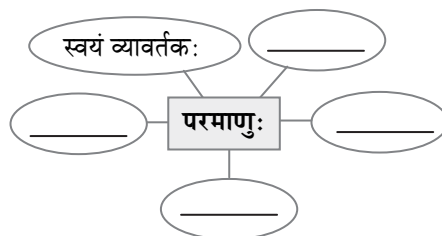
(2)

- क. पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत।
महर्षिकणादेन कस्मिन् ग्रन्थे परमाणोः व्याख्या कृता?
- ख. वाक्यं पुनर्लिखित्वा सत्यम्/असत्यम् इति लिखत।
अयं खलु व्यासमहर्षेः सिद्धान्तः।
- ग. एषः गद्यांशः कस्मात् पाठात् उद्धृतः?

2. पृथक्करणम्।

जालरेखाचित्रं पूरयत।

(2)





इ. गद्यांशं पठित्वा सरलार्थं लिखत। (2 तः 1)

(4)

- दुष्यन्तः - तपोवननिवासिनामुपरोधो मा भूत्। अत्रैव रथं स्थापय यावदवतरामि।
सूतः - धृताः प्रग्रहाः। अवतरतु आयुष्मान्।
दुष्यन्तः - (अवतीर्य) सूत, विनीतवेषेण प्रवेष्टव्यानि तपोवनानि नाम। इदं तावत् गृह्यताम्।
(इति सूतस्याभरणानि धनुश्चोपनीय) सूत, यावदाश्रमवासिनः दृष्ट्वाऽहमपावर्ते तावदारद्रपृष्ठाः
क्रियन्तां वाजिनः।
- श्रोतृवृन्दः - भोः पुराणिकवर्य, कथं नदी अस्माकं माता? कीदृशाः नदीनाम् उपकाराः?
कीर्तनकारः - शृणुत आर्याः शृणुत। अतिप्राचीना खलु एषा कथा। अस्ति विश्वामित्रः नाम कुशिकपुत्रः मुनिवरः।
सपरिवारं, सगोधनं सः दूरतः आगतः। मार्गम् आक्रामन् सः विपाट् तथा शत्रुद्री एतयोः नद्योः
सङ्गमं प्राप्तः।

ई. माध्यमभाषया उत्तरं लिखत। (2 तः 1)

(2)

- 'स नरः शत्रुनन्दनः' इति वचनं कथायाः आधारेण स्पष्टीकुरुत।
- शङ्करेण संन्यासार्थं कथम् अनुमतिः लब्धा?

तृतीयः विभागः- पद्यम्। (10)

प्र.3. अ. पद्यांशं पठित्वा निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत। (5 तः 4)

(4)

अल्पानामपि वस्तूनां संहतिः कार्यसाधिका।
तृणैर्गुणत्वमापन्नैर्बध्यन्ते मत्तदन्तिनः।।1।।
वैद्यराज नमस्तुभ्यं यमराजसहोदर।
यमस्तु हरति प्राणान् त्वं तु प्राणान् धनानि च।।2।।
उत्तमो नातिवक्ता स्यादधमो बहु भाषते।
सुवर्णे न ध्वनिस्तादृग्यादृक्कांस्ये प्रजायते।।3।।
आत्मनो मुखदोषेण बध्यन्ते शुकसारिकाः।
बकास्तत्र न बध्यन्ते मौनं सर्वार्थसाधनम्।।4।।
यादृशं वपते बीजं क्षेत्रमासाद्य कर्षकः।
सुकृते दुष्कृते वाऽपि तादृशं लभते फलम्।।5।।

क. पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत।

कः बहु भाषते?

ख. विशेषण-विशेष्य-मेलनं कुरुत।

'अ'	'आ'
अल्पानाम्	गुणत्वम्
कार्यसाधिका	वस्तूनाम्
	संहतिः

Page no. **40** to **61** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes**



MODEL ANSWER PAPERS

Sample Content

हिंदी लोकवाणी

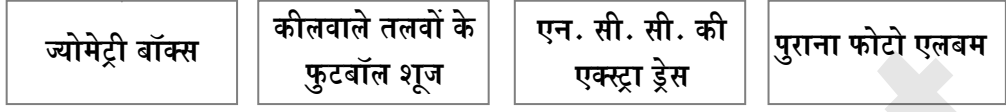
नमूना उत्तरपत्रिका - 1

प्र.1.
(अ)

1.

विभाग 1 – गद्य

बक्से में समाई वस्तुएँ



[कुल 2 अंकों के लिए 4 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

(ध्यान दें - संजाल का उत्तर दिए गए परिच्छेद में से ही ढूँढ़कर लिखना है।)

2.

i.

1. कमरा

2. पर्ची

[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

ii.

1. शाम

2. प्यार

[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

3.

वर्तमान समय में विशेषकर शहरों में एकल परिवार अर्थात छोटे परिवार दिखाई देता है किंतु गाँवों में अब भी संयुक्त परिवार देखने को मिलता है। संयुक्त परिवार में यदि खर्च ज्यादा है, तो कमाई भी अधिक है। यदि संयुक्त परिवार में सदस्यों की संख्या ज्यादा होती है, तो उनकी आर्थिक, शारीरिक, सामाजिक शक्ति भी बढ़ जाती है। संयुक्त परिवार का सबसे बड़ा लाभ यह है कि परिवार पर आने वाले संकटों का मुकाबला सभी मिलकर करते हैं। संयुक्त परिवार, सुखी परिवार का आधार होता है, क्योंकि परिवार के सभी सदस्य दुख-सुख में हमेशा एक-दूसरे के साथ रहते हैं। घर के प्रत्येक सदस्य को परिवार के बुजुर्गों से सही मार्गदर्शन मिलता है और परिवार का विकास होता है।

[कुल 2 अंकों के लिए 1 घटक]

(ध्यान दें - इस तरह की कृतियों को पहले ध्यान से पढ़ें और समझें उसके बाद ही अपने शब्दों में आठ से दस वाक्यों में उत्तर लिखें। सुनिश्चित करें कि उत्तर सकारात्मक हों। इस कृति का उत्तर विद्यार्थी को अपने व्यावहारिक ज्ञान के आधार पर लिखना होगा।)

प्र.1.
(आ)

1.

1. सेठानी रोज आने लगी।

2. सात-आठ दिनों में उसकी बीमारी समाप्त होने लगी।

3. धन का लोभ आदमी को आदमी नहीं रहने देता।

4. धीरे-धीरे साधु के उपदेशों का प्रभाव सेठ पर पड़ने लगा।

[कुल 2 अंकों के लिए 4 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

(ध्यान दें- परिच्छेद पढ़कर दिए गए वाक्यों को परिच्छेद में आए उनके क्रम के अनुसार लिखिए।)

2.

i.

1. अविश्वास

2. प्रतिदिन

[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]



- ii. 1. सेठ 2. साधु
[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]
3. लालची व्यक्ति जीवन में सब कुछ प्राप्त होने के बावजूद भी संतुष्ट और सुखी नहीं होता है। लालच में पड़कर कई बार मनुष्य मानवता को भी भूल जाता है। वह अपने लालच के कारण कोई भी बुरा काम करने के लिए तैयार हो जाता है। वह दूसरों को धोखा देता है। अपने लाभ के लिए वह गलत रास्ते चुन लेता है, जिसका परिणाम उसे समय आने पर भुगतना पड़ता है। उसके सगे-संबंधी, मित्र आदि सभी उससे दूर हो जाते हैं। वह अकेला पड़ जाता है। समय रहते यदि लालच का त्याग नहीं किया जाता है, तो अंत में पछताने के सिवा कुछ हाथ नहीं लगता है। इसी कारणवश कहा जाता है कि लालच बुरी बला है।
[कुल 2 अंकों के लिए 1 घटक]
- (ध्यान दें - इस तरह की कृतियों को पहले ध्यान से पढ़ें और समझें उसके बाद ही अपने शब्दों में आठ से दस वाक्यों में उत्तर लिखें। सुनिश्चित करें कि उत्तर सकारात्मक हों। इस कृति का उत्तर विद्यार्थी को अपने व्यावहारिक ज्ञान के आधार पर लिखना होगा।)

प्र.2.
(अ)

विभाग 2 – पद्य

1. i. 1. मृग 2. बौरा
[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]
- ii. 1. गलत; कबीरदास जी अपने ईश्वर को अपनी आँखों में बंद करना चाहते हैं।
2. सही
[कुल 1 अंक के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]
2. प्रस्तुत दोहे में कबीर ने ईश्वर को सर्वशक्तिमान के रूप में बताया है। वे कहते हैं कि जिस व्यक्ति पर ईश्वर की कृपा हो, उसको कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता। यदि पूरा संसार भी उस व्यक्ति का दुश्मन बन जाए, तो भी उसका बुरा नहीं हो सकता। अतः हमें सदैव ईश्वर पर श्रद्धा व विश्वास रखते हुए सत्कर्म करते रहना चाहिए।
[यहाँ कुल 2 अंकों के लिए 1 घटक]
- (ध्यान दें - पूछी गई पंक्तियों को ध्यान से पढ़ें और उन्हें समझकर उनका सरल अर्थ अपने शब्दों में स्पष्ट रूप से लिखें।)

प्र.2.
(आ)

1. i.

```
graph TD; A[इनका समान वितरण होना चाहिए] --> B[सुख]; A --> C[सुविधा];
```


[कुल 1 अंकों के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]
- (ध्यान दें - आकृति का उत्तर दिए गए पद्यांश में से ही ढूँढ़कर लिखना है।)
- ii. 1. वसंत 2. मनुज
[कुल 1 अंकों के लिए 2 घटक, प्रत्येक घटक के लिए 1/2 अंक]

Page no. **65** to **91** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes**

संस्कृत - आनन्द :।

आदर्श उत्तरपत्रिका - 1

प्र.1.
(अ)

प्रथम : विभाग :- सुगमसंस्कृतम्।

1. शाकम्। 2. परीक्षते। 3. ऊरुकम्। 4. कटुः।

[3 marks for writing 3 correct answers. 1 mark for each answer.]

[प्रत्येक अचूक उत्तरास 1 गुण. 3 गुणांसाठी 3 अचूक उत्तरे लिहिणे अपेक्षित आहे.]

प्र.1.
(आ)

1. ४४ - चतुश्चत्वारिंशत्। 2. पञ्चाशत् - ५० 3. षण्णवति : - ९६

[2 marks for writing 2 correct answers. 1 mark for each answer.]

[प्रत्येक अचूक उत्तरास 1 गुण. 2 गुणांसाठी 2 अचूक उत्तरे लिहिणे अपेक्षित आहे.]

प्र.1.
(इ)

क्र.	अ	आ
1.	दशवादनम्	१०.००
2.	चत्वारिंशदधिक-नववादनम्	९.४०

[½ mark for each correct pair, total 1 mark.]

[प्रत्येक अचूक जोडीसाठी 1/2 गुण, एकूण गुण 1.]

प्र.2.
(अ)

द्वितीय : विभाग :- गद्यम्।

1. अवबोधनम्।

क. पृथुवैन्यः स्वप्रजाः दृष्ट्वा चिन्ताकुलः जातः यतः तस्य प्रजाजनाः पशुवत् जीवन्ति।

[1 mark for correct answer. Rewrite the sentence with its answer.

Underline the answer.]

[अचूक उत्तरास 1 गुण. उत्तरासहित वाक्य पुन्हा लिहावे. उत्तराला अधोरेखित करावे.]

ख. पुरोहितः राजानं / पृथुराजं वदति।

[1 mark for correct answer.]

[अचूक उत्तरास 1 गुण.]

ग. राट् / पार्थिवः / क्षाभृत् / नृपः / भूपः / महीक्षित् चिन्ताकुलः जातः।

[1 mark for correct answer. Rewrite the sentence with its answer.

Underline the answer.]

[अचूक उत्तरास 1 गुण. उत्तरासहित वाक्य पुन्हा लिहावे. उत्तराला अधोरेखित करावे.]

2. शब्दज्ञानम्।

क. पूर्वकालवाचक-धातुसाधित-त्वान्त-अव्यये - 1. दृष्ट्वा। 2. ज्ञात्वा।

[1 mark for writing 2 correct forms.]

[प्रत्येक अचूक उत्तरासाठी 1/2 गुण. एकूण गुण 1.]



ख.

'अ'	'आ'
कृशा :	प्रजा :
चिन्ताकुल :	राजा

[1 mark for 2 correct answers.]

[प्रत्येक अचूक उत्तरासाठी 1/2 गुण. एकूण गुण 1.]

ग.

ईश्वरस्यैव = ईश्वरस्य + एव ।

अशक्ताश्च = अशक्ताः + च ।

[1 mark for 2 correct answers.]

[प्रत्येक अचूक उत्तरासाठी 1/2 गुण. एकूण गुण 1.]

प्र.2.
(आ)

1.

अवबोधनम् ।

क. महर्षिकणादेन “वैशेषिकसूत्राणि” इति ग्रन्थे परमाणोः व्याख्या कृता ।

[1 mark for correct answer.]

[अचूक उत्तरास 1 गुण.]

ख.

अयं खलु व्यासमहर्षेः सिद्धान्तः । - असत्यम् ।

[1 mark for correct answer.]

[अचूक उत्तरास 1 गुण.]

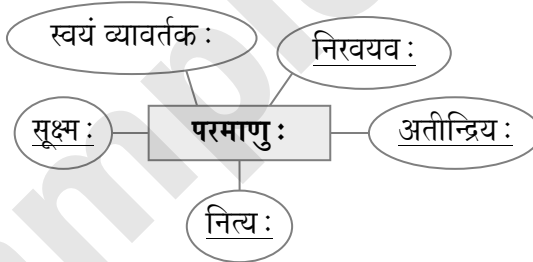
ग.

एषः गद्यांशः ‘स एव परमाणुः’ इति पाठात् उद्धृतः ।

[1 mark for correct answer. Be careful while writing the name of the lesson.]

[अचूक उत्तरास 9 गुण. पाठाचे नाव काळजीपूर्वक लिहा.]

2.



[2 marks for correctly filling up the web diagram. Underline the answers.]

[प्रत्येक अचूक रिकाम्या जागेसाठी 1/2 गुण. एकूण 2 गुण.]

जालरेखाचित्र काढून उत्तरांना अधोरेखित करावे.]

प्र.2.
(इ)

1.

Dushyant - Let there be no disturbance to the inmates of the penance grove. Keep the chariot here itself while I descend.

Charioteer - The reins have been held. May the long-lived one descend (step down).

Dushyant - (Descending) O Charioteer, we should enter the hermitage with a modest attire. So take this.

(Giving the ornaments and the bow to the charioteer) O Charioteer, do wet the horses' backs till I return after seeing the inmates / residents of the hermitage.

Page no. **94** to **118** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes**



N 583

Seat No.

2024 III 09 1100 – N 583 – HINDI (COMPOSITE) (B) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H)

बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च 2024

Time: 2 Hours

(Pages 4)

Max. Marks: 40

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[6]

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राघवेंद्र पत्नी-बच्चों सहित अपने पैतृक कस्बे में आया हुआ है। नौकरी से छुट्टियाँ न मिल पाने की मजबूरी के चलते वह चाहकर भी हफ्ता-दस दिन से ज्यादा यहाँ नहीं रुक पाता है लेकिन उसको इच्छा रहती है कि अम्मा-बाबू जी पूरे साल नहीं तो साल में दो-तीन महीने तो उसके साथ मुंबई में जरूर रहें। बच्चों को संयुक्त परिवार मिले, दादा-दादी का भरपूर प्यार मिले। अनिता, उसकी पत्नी भी यही चाहती है। यही सोचकर उन्होंने पाँच कमरों का फ्लैट खरीदा है पर न जाने क्यों अम्मा-बाबू जी वहाँ बहुत कम जाते हैं। साल भर में एकाध बार, वह भी चंद दिनों के लिए।

“बाबू जी, आप और अम्मा चार-छह दिनों के लिए नहीं, चार-छह महीनों के लिए आया कीजिए। इतनी जल्दी लौट जाते हैं तो मन कचोटने-सा लगता है।”

1. उत्तर लिखिए:

i. राघवेंद्र की चाहत -

(1)

1.

2.

ii. राघवेंद्र की मजबूरी-

(1)

1.

2.

2. i. निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए:

(1)

1. अनिच्छा ×

2. बेचना ×

ii. निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानिए:

(1)

1. पति -

2. दादी -

3. 'संयुक्त परिवार' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

(2)



प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

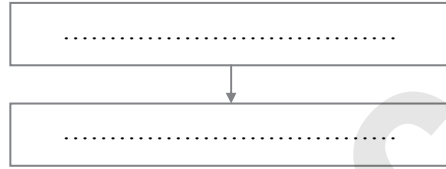
[6]

- मंत्री : महाराज, लोगों की पहली शिकायत यही है कि पानी अब निर्मल नहीं रहा है। यह नदियों और गह्वरों में बहते समय गंदगी और बीमारियाँ अपने साथ बहाकर सब जगह पहुँचा देता है।
- पानी : महाराज, ये लोग पहले की तरह पानी की रखवाली नहीं करते हैं। पशुओं को जोहड़ के भीतर तैरने छोड़ जाते हैं। पशु अपनी गंदगी तालाब में छोड़ जाते हैं। गाँव की दूसरी गंदगी भी तालाब में फेंक दी जाती है। नदियों में कारखानों की गंदगी व शहर के गंदे नाले का पानी छोड़ा जाता है। महाराज, मैं अपने आप गंदा नहीं होता। मुझसे शिकायत करने वाले ही गंदा और दूषित करते हैं।
- महाराज : भाइयो, आपके पास इसका क्या जवाब है? (लोग आपस में फुस-फुसाकर बातें करते हैं, फिर उनमें से एक बोलता है।)
- एक : महाराज, यह तो मान लिया पर कहीं बरसना, कहीं नहीं बरसना, यह तो इस पानी की मनमानी है।

1. आकृति पूर्ण कीजिए :

(2)

पानी के संबंध में लोगों की पहली शिकायत



2. i. निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त समानार्थी शब्द लिखिए:

(1)

1. जानवर - 2. गड्ढा -

ii. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए:

(1)

1. बीमारी - 2. कारखाने -

3. 'प्रदूषण के दुष्परिणाम' विषय पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

(2)

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

प्र. 2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[4]

लाली मेरे लाल की, जित देखों तित लाल ।
लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल ॥
कस्तूरी कुंडल बसै, मृग दूँढ़े बन माहिं ।
ऐसे घट में पीव है, दुनिया जानै नाहिं ॥
जिन दूँढ़ा तिन पाइयाँ, गहिरे पानी पैठ ।
जो बौरा डूबन डरा रहा किनारे बैठ ॥
जो तोको काँटा बुवै, ताहि बोउ तू फूल ।
तोहि फूल को फूल है, बाको है तिरसूल ॥

Page no. **121** to **123** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes**



N 599

Seat No.

2024 III 11 1500 – N 599 – SANSKRIT (COMPOSITE) (D) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (SK)

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2024

Time: 2 Hours

(Pages 5)

Max. Marks: 40

सूचना:

- (1) सूचनानुसारम् आकृतयः आरेखितव्याः।
- (2) आकृतीनाम् आरेखनं मसीलेखन्या कर्तव्यम्।
- (3) सर्वासु कृतिषु वाक्यानां पुनर्लेखनम् आवश्यकम्।
- (4) लेखनं सुवाच्यं, स्पष्टं लेखननियमानुसारं च भवेत्।

प्रथमः विभागः- सुगमसंस्कृतम्। (6)

1. (अ) चित्रं दृष्ट्वा नामानि लिखत। (4 तः 3)

[3]

(1)



(2)



(3)



(4)



(आ) सङ्ख्याः अक्षरैः/अङ्कैः लिखत। (3 तः 2)

[2]

(1) १२

(2) एकत्रिंशत्।

(3) ९०

(इ) समय-स्तम्भमेलनं कुरुत।

[1]

	'अ'	'आ'
(1)	सार्धं षड्वादनम्	१.१०
(2)	दशाधिक-एकवादनम्	३.००
		६.३०

द्वितीयः विभागः- गद्यम्। (14)

2. (अ) गद्यांशं पठित्वा निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत।

[4]

एकस्मिन् दिने शङ्करः स्नानार्थं पूर्णानदीं गतः। यदा सः स्नाने मग्नः तदा तत्र एकः नक्रः आगतः। नक्रः झटिति तस्य पादम् अगृह्णात्। तदा शङ्करः उच्चैः आक्रोशत्। “अम्ब! त्रायस्व। नक्रात् त्रायस्व!” आक्रोशं श्रुत्वा नदीतीरं प्राप्ता आर्याम्बा पुत्रं नक्रेण गृहीतमपश्यत्। भयाकुला सा अपि रोदनम् आरभत। शङ्करः मातरम् आर्ततया प्रार्थयत - “अम्ब, इतःपरम् अहं न जीवामि। मरणात् पूर्वं संन्यासी भवितुम् इच्छामि। अधुना वा देहि अनुमतिम्।” चेतसा अनिच्छन्ती अपि विवशा माता अवदत् - “वत्स, यथा तुभ्यं रोचते तथैव भवतु। इदानीमेव संन्यासं स्वीकुरु। मम अनुमतिः अस्ति” इति। तत्क्षणमेव आश्चर्यं घटितम्। दैववशात् शङ्करः नक्राद् मुक्तः। स नदीतीरम् आगत्य मातुः चरणौ प्राणमत्।

अनन्तरं शङ्करः मातरं संन्यासस्य महत्त्वम् अवाबोधयत्। संन्यासी न केवलम् एकस्याः पुत्रः। विशालं जगद् एव तस्य गृहम्। 'मातः, यदा त्वं स्मरिष्यसि तदा एव त्वत्समीपमागमिष्यामि' इति मात्रे प्रतिश्रुत्य सः गृहात् निरगच्छत्।



ततः गोविन्दभगवत्पादानां शिष्यो भूत्वा सः सर्वाणि दर्शनानि अपठत् । तेभ्यः संन्यासदीक्षां गृहीत्वा वैदिकधर्मस्य स्थापनार्थं प्रस्थानम् अकरोत् ।

अष्टवर्षे चतुर्वेदी द्वादशे सर्वशा स्त्रिवत् ।
षोडशे कृतवान् भाष्यं द्वात्रिंशे मुनिरभ्यगात् ॥

- (1) अवबोधनम्। (3 तः 2) 2
- (क) कः कं वदति ? 1
“ इदानीमेव संन्यासं स्वीकुरु । ”
- (ख) वाक्यं पुनर्लिखित्वा सत्यम्/असत्यम् इति लिखत । 1
“एकस्मिन् दिने शङ्करः स्नानार्थं शरयूनदीं गतः ।”
- (ग) एषः गद्यांशः कस्मात् पाठात् उद्धृतः ? 1
- (2) शब्दज्ञानम्। (3 तः 2) 2
- (क) गद्यांशात् 2 सप्तमीविभक्त्यन्तपदे चित्वा लिखत । 1
- (ख) गद्यांशात् विशेषण-विशेष्ययोः मेलनं कुरुत । 1

	‘अ’	‘आ’
(1)	गृहीतम्	माता
(2)	विवशा	पुत्रम्
		दर्शनानि

- (ग) पूर्वपदं / उत्तरपदं लिखत । 1
- (1) तत्क्षणमेव = तत्क्षणम् + ।
- (2) गृहीतमपश्यत् = + अपश्यत्।

(आ) गद्यांशं पठित्वा निर्दिष्टाः कृतीः कुरुत । [4]

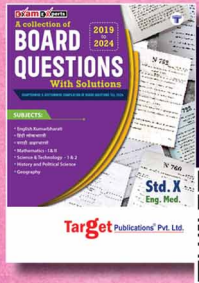
भूपालः पृथुवैन्यः नाम धरायां प्रथमः अभिषिक्तः सम्राट्। प्रयागक्षेत्रे पृथुनृपस्य राजधानी आसीत्। राज्याभिषेकसमये चारणाः पृथुनृपस्य स्तुतिं गातुमुत्सुकाः। तदा पृथुः आज्ञापयत्, “तिष्ठन्तु चारणाः। यावत् मम सदगुणाः न प्रकटीभवन्ति तावदहं न स्तोतव्यः। स्तवनं तु ईश्वरस्यैव भवेत्।” स्तुतिगायकाः पृथुनृपस्य एतादृशीं निःस्पृहतां ज्ञात्वा प्रसन्नाः अभवन्।

एकदा पृथुराजः स्वराज्ये भ्रमणम् अकरोत्। भ्रमणसमये तेन दृष्टं यत् प्रजाः अतीव कृशाः अशक्ताश्च। ताः प्रजाः पशुवज्जीवन्ति। निकृष्टान् खादन्ति। तद् दृष्ट्वा राजा चिन्ताकुलः जातः। तदा पुरोहितोऽवदत्, “हे राजन्, धनधान्यादि सर्वं वस्तुजातं वस्तुतः वसुन्धरायाः उदर एव वर्तते। तत्प्राप्तुं यतस्व।”

- (1) अवबोधनम्। (3 तः 2) 2
- (क) उचितं पर्यायं चित्वा वाक्यं पुनर्लिखत । 1
- (1) पृथुनृपस्य राजधानी आसीत्। (काशीक्षेत्रे/प्रयागक्षेत्रे)
- (2) स्तवनं तु भवेत्। (मानवस्यैव / ईश्वरस्यैव)
- (ख) पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखत । 1
चारणाः किमर्थम् उत्सुकाः?
- (ग) अमरकोशात् शब्दं योजयित्वा वाक्यं पुनर्लिखत । 1
राजा चिन्ताकुलः जातः।



SSC Champions Ki A-Z Tayyari Ke Liye



SAMPLE
CHAPTER



A Collection of Board Questions with Solutions

Chapter-wise, topic-wise and year-wise SSC Board questions that will help you *crack the board code*

- All subjects
- Exam-oriented solutions

SSC 54 Question Papers and Activity Sheets with Solutions

Train for the D-Day with this kit of mock tests designed just like the SSC Board papers

- Practice papers
- Solved past papers
- Solutions

SAMPLE
CHAPTER



SAMPLE
CHAPTER



ProLingo Series (Grammar and Writing Skills)

Your best bet to lock 40 out of 80 marks in English, Hindi and Marathi

- Textbook and practice exercises
- Explanations
- Answers
- Past Board questions
- Examples

Important Question Bank (IQB)

Your superhero for stress-free last minute exam preparation

- Most important questions
- Exam-ready answers
- Solved previous board papers
- Time management tools

SAMPLE
CHAPTER



Visit Our Website

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning

Address:

B2, 9th Floor, Ashar, Road No. 16/Z,
Wagle Industrial Estate, Thane (W)- 400604

Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15

Website: www.targetpublications.org

Email: mail@targetpublications.org



VISIT OUR STORE



TARGET AMAZON
STORE



TARGET FLIPKART
STORE